# प्रदेश के दो वभिूतयिाँ पद्म श्री सम्मान के लयि चयनति

## चर्चा में क्यों?

25 जनवरी, 2023 को राष्ट्रपति ने गणतंत्र दविस की पूर्व संध्या पर वर्ष 2023 के लयि देश के सर्वोच्च नागरकि पुरस्कारों 'पद्म पुरस्कारों'की घोषणा की। इनमें हरयिाणा की दो वभिूतयिों को पद्म श्री अवार्ड के लयि चुना गया है।

## प्रमुख बदिु

- वर्ष 2023 के लयि, राष्ट्रपति ने तीन द्वय मामलों (एक द्वय मामले में, पुरस्कार को एक के रूप में गनिा जाता है) सहति 106 पद्म पुरस्कार प्रदान करने की मंज़ूरी दी है।
- सूची में 6 पद्म वभिूषण, 9 पद्म भूषण और 91 पद्म श्री पुरस्कार शामलि हैं। पुरस्कार पाने वालों की सूची में 19 महलिाएँ हैं और वदिशियों/एनआरआई/पीआईओ/ओसीआई की श्रेणी के 2 व्यक्ति और 7 मरणोपरांत पुरस्कार पाने वाले भी शामलि हैं।
- पद्म पुरस्कार के लयि चयनति हरयिाणा की दो वभिूतयिों में बक्शी राम और डॉ. सुकामा आचार्या शामलि हैं।
- झज्जर ज़लि के अकुपुर गाँव की डॉ. सुकामा आचार्या को अध्यात्मवाद के क्षेत्र में वशिषि्ट सेवा के लयि और गुरुग्राम के कृषि वैज्ञानकि डॉ. बख्शी राम को वज्ञिान एवं अभयिांत्रकिी के क्षेत्र में वशिषि्ट सेवा के लयि पद्म श्री अवार्ड के लयि चुना गया है।
- कृषि वैज्ञानकि डॉ. बख्शी राम को गन्ने की कसि्म **CO**-0238 वकिसति करने के लयि जाना जाता है।
- गौरतलब है कि देश के सर्वोच्च नागरकि पुरस्कारों में पद्म पुरस्कार शामलि है। पद्म पुरस्कार तीन श्रेणयिों- पद्म वभिूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री के रूप में प्रदान कयि जाते हैं। प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दविस के अवसर पर पुरस्कारों की घोषणा की जाती है।
- यह पुरस्कार कला, सामाजकि कार्य, सार्वजनकि मामले, वज्ञिान और इंजीनयिरगि, व्यापार और उद्योग, चकित्सिा, साहत्यि और शक्षिा, खेल, सविलि सेवा आदि जैसे वभिन्नि वषियों/गतविधियिों के क्षेत्रों में दयि जाते हैं।
- असाधारण और वशिषि्ट सेवा के लयि 'पद्म वभिूषण', उच्च स्तर की वशिषि्ट सेवा के लयि 'पद्म भूषण'और कसिी भी क्षेत्र में वशिषि्ट सेवा के लयि 'पद्म श्री'से सम्मानति कयि जाता है।
- ये पुरस्कार भारत के राष्ट्रपति द्वारा औपचारकि समारोहों में प्रदान कयि जाते हैं जो आमतौर पर हर साल मार्च/अप्रैल के आसपास राष्ट्रपति भवन में आयोजति कयि जाते है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/two-personalities-of-the-state-selected-for-padma-shri-honor